भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3114

09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष ग्रिड परियोजना

3114. श्री सी. एन. अन्नादुरईः

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को विकसित और लोकप्रिय बनाने के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान क्या लक्ष्य प्राप्त किए गए तथा इस संबंध में किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) तमिलनाडु राज्य में कार्यरत आयुर्वेदिक आरोग्य केन्द्रों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने आयुष क्षेत्र की सेवा सुपुर्दगी को सुदृढ़ करने के लिए आयुष ग्रिड परियोजना शुरू की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने विगत तीन वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष आयुर्वेद में विभिन्न अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को सुदृढ़ करने और उनमें तेजी लाने के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अन्य क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

<u>उत्तर</u>

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को क्रियान्वित कर रहा है तथा एनएएम के दिशा-निर्देशों के अनुसार आयुर्वेद सहित आयुष पद्धति के विकास और संवर्धन के लिए उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। मिशन अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित गतिविधियों के लिए प्रावधान करता है:

i. आयुर्वेद सहित आयुष स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों, जिसे अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) नाम से जाना जाता है, का संचालन।
ii. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी), सामुदायिक स्वास्थ्य केंदों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों (डीएच) में आयुर्वेद सहित आयुष सुविधाओं की सह-स्थापना
iii. मौजूदा आयुर्वेद सहित एकल सरकारी आयुष अस्पतालों का उन्नयन
iv. मौजूदा सरकारी/पंचायत/सरकारी सहायता प्राप्त आयुष औषधालयों का उन्नयन/मौजूदा आयुष औषधालय (किराए पर/जीर्ण-शीर्ण आवास) के लिए भवन का निर्माण/ आयुर्वेद सहित नए आयुष औषधालय की स्थापना के लिए भवन का निर्माण
v. 10/30/50 बिस्तरों तक के आयुर्वेद सहित एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना

vi. आयुर्वेद सहित राजकीय आयुष अस्पतालों, राजकीय औषधालयों और सरकारी/सरकारी सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थागत आयुष अस्पतालों को आवश्यक दवाइयों की आपूर्ति

vii. आयुष जन स्वास्थ्य कार्यक्रम

viii. व्यवहार परिवर्तन संप्रेषण (बीसीसी)

ix. राज्य और जिला स्तर पर गतिशीलता सहायता

x. आयुष ग्राम

xi. उन राज्यों में नए आयुर्वेद सहित आयुष महाविद्यालयों की स्थापना जहां सरकारी क्षेत्र में आयुष शिक्षण संस्थानों की उपलब्धता अपर्याप्त है

xii. आयुष स्नातक संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास और आयुष स्नातकोत्तर संस्थानों का अवसंरचनात्मक विकास/पीजी/फार्मेसी/पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों को शामिल करना।

विगत 3 वर्षों के दौरान, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुष मंत्रालय ने एनएएम के तहत विभिन्न अनुमोदित गतिविधियों के कार्यान्वयन के लिए 1873.20 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के दौरान अनुदान जारी करने के लिए वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों का पालन न करने के कारण राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को अनुदान सहायता जारी नहीं की जा सकी। चूंकि, योजना का कार्यान्वयन संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के कार्यक्षेत्र में आता है, इसलिए मंत्रालय द्वारा लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

(ख): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, आयुर्वेदिक आरोग्य केंद्रों की स्थापना करना तमिलनाडु सहित संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के कार्यक्षेत्र में आता है। हालांकि, एनएएम के तहत मौजूदा आयुष औषधालयों और स्वास्थ्य उप केंद्रों के उन्नयन द्वारा आयुर्वेद सहित आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) के संचालन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को वित्तीय सहायता का प्रावधान है। तमिलनाडु राज्य सरकार से एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुष मंत्रालय के पास तमिलनाडु में 650 एएएम (आयुष) हैं और राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार कार्यशील हैं।

(ग): आयुष मंत्रालय ने आयुष ग्रिड परियोजना को पूरे आयुष क्षेत्र की आईटी आधार के रूप में परिकल्पित किया है, जो सभी हितधारकों (मंत्रालय के तहत सभी संस्थाओं सहित) और आयुष क्षेत्र से संबंधित कार्यों/सेवाओं के एकीकरण की अनुमति देता है। उपयोगकर्ता के दृष्टिकोण से, आयुष ग्रिड आयुष की सभी धाराओं जैसे आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा रिग्पा और होम्योपैथी की आईटी परियोजनाओं का उनके कार्यात्मक क्षेत्रों में एकीकरण होगा। आज की तिथि तक, आयुष ग्रिड परियोजना को आयुष मंत्रालय द्वारा विकसित नहीं किया गया है।

(घ): आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने आयुर्वेदिक विज्ञान में वैज्ञानिक तर्ज पर अनुसंधान आरंभ करने, समन्वय, निरूपण, विकास और संवर्धन के लिए एक स्वायत्त संगठन केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) की स्थापना की है। मुख्य अनुसंधान गतिविधियाँ नैदानिक अनुसंधान, औषधीय पादप अनुसंधान (मेडिको-एथनो बोटैनिकल सर्वेक्षण, फार्माकोग्नॉसी और खेती), औषधि मानकीकरण, औषधीय अनुसंधान, साहित्यिक अनुसंधान और प्रलेखन कार्यक्रम, जन स्वास्थ्य अनुसंधान-उन्मुख गतिविधियाँ हैं। इसके अलावा, बहिवर्ती रोगी विभाग (ओपीडी), अंतरवर्ती रोगी विभाग (आईपीडी), जरा स्वास्थ्य देखभाल के लिए विशेष क्लीनिक के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा भी प्रदान की जा रही है। सीसीआरएएस राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्थानों जैसे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) नई दिल्ली, काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली,

आईआईटी गुवाहाटी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (एनआईएमएचएएनएस)- बेंगलुरु, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशालय (डीजीएएफएमएस), राष्ट्रीय औषधि शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर), यकृत और पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) आदि के सहयोग से विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियां भी कर रहा है। इसके अलावा, पिछले 3 वर्षों के दौरान, सीसीआरएएस के माध्यम से 246 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 196 परियोजनाएं चल रही हैं।

(ङ): आयुष मंत्रालय देश में आयुर्वेद सहित आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को इस उत्तर के भाग (क) में उल्लिखित विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करके उनके प्रयासों का समर्थन कर रहा है, जिससे आयुर्वेद सहित विभिन्न आयुष पद्धतियों के माध्यम से जनता को प्रभावी स्वास्थ्य देखभाल प्रदान की जा सके। इसके अलावा, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा निम्नलिखित पहल की गई हैं:

आयुष मंत्रालय आयुर्वेद सहित आयुष चिकित्सा पद्धतियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आयुष में सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) को बढ़ावा देने के लिए एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना कार्यान्वित करता है। इस योजना का उद्देश्य देश भर में आबादी के सभी वर्गों तक पहुंचना है और इस योजना के तहत, मंत्रालय राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर आरोग्य मेले, योग महोत्सव/उत्सव, आयुर्वेद पर्व आयोजित करता है, आयुर्वेद दिवस सहित आयुष पद्धतियों के महत्वपूर्ण दिवस मनाता है, स्वास्थ्य मेले/मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लेता है, सेमिनार, कार्यशालाओं, सम्मेलनों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है और मल्टीमीडिया अभियान आदि संचालित करता है।

*****